प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

उर्वरक एवं कृषि रसायन प्रबन्धन ऑनलाईन प्रशिक्षण आयोजित

पंतनगर। 2 सितम्बर 2025। समेटी–उत्तराखण्ड, प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा 'उर्वरक एवं कृषि रसायन प्रबन्धन' विषयक ऑनलाईन प्रशिक्षण का आयोजन 1 से 15 सितम्बर 2025 तक किया जायेगा। यह प्रशिक्षण जिला सहायक निबन्धक कार्यालय सहकारी समितियाँ, अल्मोड़ा के वित्तीय सहयोग से सम्पादित किया जा रहा है। प्रशिक्षण में कुल 34 प्राथमिक सहकारी समितियों के सदस्य/सचिव भाग ले रहे हैं। ऑनलाईन प्रशिक्षण के उद्घाटन अवसर पर निदेशक प्रसार शिक्षा एवं समेटी डा. जितेन्द्र क्वात्रा ने कहा कि उर्वरक एवं कृषि रक्षा रसायनों के संतुलित प्रयोग हमारे सुरक्षित जीवन का आधार साबित होगा। संतुलित उर्वरक प्रयोग से न केवल उत्पादन लागत में कमी आयेगी, बल्कि इससे मृदा की गुणवत्ता में सुधार होगा, उच्च गुणवत्ता के उत्पाद मिलेंगे और पर्यावरण संरक्षण में आशातीत सुधार होगा। उन्होंने प्रतिभागियों से कहा कि मृदा स्वास्थ्य कार्ड के संस्तुति के आधार पर ही कृषकों को उर्वरक प्रयोग की अनुशंसा करें। प्राध्यापक एवं समन्वयक, समेटी डा. बी.डी. सिंह ने प्रशिक्षण के बारे में बताया कि भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय के दिशा–निर्देशों के क्रम में जनपद के समस्त सकहारी समितियों को प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केन्द्र के रूप में विकसित करना है। तत्क्रम में समितियों को उर्वरक लाइसेंस हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम अनिवार्य है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के पश्चात् सहकारी समितियों के सचिव, कृषक समुदाय को बेहतर सेवा प्रदान करेंगें। उन्होंने यह भी बताया कि इस पन्द्रह–दिवसीय प्रशिक्षण में मृदा विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डा. अजय श्रीवास्तव सहित विभाग के सभी संकाय सदस्य इसमें व्याख्यान देगें। प्रशिक्षण कार्यक्रम में विभिन्न कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक भी जुड़कर सचिवों से अपने विचार साझा करेंगें। इस कार्यक्रम में मृदा प्रशिक्षण कब, क्यों और कैसे एवं मृदा परीक्षण के आधार पर उर्वरकों की संस्तुतियाँ, पोषक तत्वों का महत्व, कमी के लक्षण एवं विभिन्न फसलों हेतु संस्तुतियाँ, उर्वरक एवं कृषि रसायनों की गणना, उर्वरकों में मिलावट की जाँच कैसे करें, कृषि में ड्रोन का महत्व एवं उर्वरक छिड़काव, कीटनाशी रसायन परिचय, कृषि रक्षा रसायनों का नियोजित प्रयोग, कृषि रक्षा रसायनों का पशुओं के स्वास्थ्य पर प्रभाव एवं प्रबन्धन, वर्गीकरण एवं नये पीढ़ी के कीटनाशी रसायन, नैनों उर्वरकों का कृषि में उपयोग एवं मूल्यवर्धित उत्पादों का विपणन प्रबन्धन जैसे पाठ्यक्रम रखे गये हैं। डा. अजय श्रीवास्तव ने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम से निश्चित रूप से सचिवों का उर्वरक एवं कृषि रक्षा रसायन प्रबन्धन के क्षेत्र में क्षमता विकास होगा और ये अपने–अपने क्षेत्रों में संस्तुत उर्वरकों के प्रयोग में अहम भूमिका निभायेगें। कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर श्री रोहित कुमार, जिला सहायक निबन्धक, सहकारी समितियाँ, अल्मोड़ा ने भी अपने विचार रखें और विश्वविद्यालय को प्रशिक्षण कराने हेतु धन्यवाद दिया।

इसके पूर्व संस्थान द्वारा माह अगस्त में दो प्रशिक्षण कार्यक्रम क्रमशः उन्नत बकरी पालन, अगस्त 05–07, 2025 एवं बाजार आधारित प्रसार, अगस्त 28–30, 2025 आयोजित किये गये। दोनों प्रशिक्षण कार्यक्रम में नैनीताल, अल्मोड़ा, ऊधम सिंह नगर, हरिद्वार, चम्पावत, देहरादून एवं पौड़ी गढ़वाल जनपदों के कुल 52 प्रसार अधिकारी एवं प्रगतिशील कृषक भाग लिये।